अब तहसीलों के विशिष्ट उत्पादों की भी होगी ब्रांडिंग

ओडीओपी की तर्ज पर ओटीओपी योजना शुरू करने की तैयारी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी तहसील का एक कस्बा है गोठा। यहां का गुड़ अपने लड्डू जैसे आकार और खास मिठास के लिए जाना जाता है। गोरखपुर-वाराणसी हाईवे स्थित इस कस्बे का गुड़ कुशीनगर और कपिलवस्तु जाने वाले विदेशी पर्यटकों को खासा आकर्षित करता है। सरकार का मानना है कि किसी खास उत्पाद के लिए सिर्फ गोठा ही नहीं, बल्कि प्रदेश की ज्यादातर तहसीलें या उनका कोई कस्बा अपनी ऐसी ही किसी खूबी के नाते जाना जाता है। इसलिए सरकार अब इन उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) की तर्ज पर 'एक तहसील-एक उत्पाद' (ओटीओपी) योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है।

शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों की मानें तो ओडीओपी की तर्ज पर अगर इन उत्पादों की पैकेजिंग, डिजाइनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, जरूरत के अनुसार पूंजी की उपलब्धता और इनसे जुड़े लोगों के कौशल को निखारने के लिए प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं तो ओटीओपी की संभावनाएं भी ओडीओपी की तरह बढ़ जाएंगी। इनके जरिए ब्रांड यूपी देश-दुनिया में और मजबूत होगा। शासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक तरीके से यह ओडीओपी का ही विस्तार होगा। इसलिए सीएम की मंशा है कि 'ओटीओपी' योजना शुरू की जाए। एमएसएमई विभाग ने इस योजना को धरातल पर उतारने का खाका तैयार करना शुरू कर दिया है। पहले चरण में जिले के स्थानीय प्रशासन के सहयोग से तहसीलवार ऐसे विशिष्ट उत्पादों की सूची तैयार की जाएगी। फिर किसी विशेषज्ञ संस्था की मदद से इनकी संभावनाओं को विस्तार देने के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू किया जाएगा।

एमएसएमई विभाग ने योजना को धरातल पर उतारने की शुरू की कवायद

संडीला के लड्डू और रमचौरा के केले की अपनी पहचान

गोरखपुर के कैंपियरगंज के रमचौरा के कच्चे केले की अपनी पहचान है। फरेंदा महराजगंज की हरी मटर भी अपनी मिठास के लिए जानी जाती है। इस नाते सीजन में पूरे क्षेत्र में इसकी धूम रहती है। हरदोई का नाम लेते ही संडीला के लड्डू की याद आ जाती है। इसकी चर्चा दूर-दूर तक होती है। कुशीनगर के दुदही ब्लॉक में हल्दी की खेती का इतिहास भी सदियों पुराना है। ऐसे ही ज्यादातर तहसीलों या उनके कस्बों के उत्पादों की अपनी अलग पहचान है।